

पार-तन्त्रिक विज्ञान मानकर चलें तो वह नरस विज्ञान बनकर रह जाएगी। जो उभावत आर्थिक तथ्यों को खोज करेगा उसे भी खोज के क्षेत्र में कोई आनन्द नहीं आएगा।

गतिशील परिस्थितियों में अर्थशास्त्र का क्षेत्र आच्छन्न है -
(iv) वैश्वमान समुदाय में ज्यों-ज्यों आर्थिक परिवर्तन होते जा रहे हैं, ज्यों-ज्यों समुदायों की बढ़ती जा रही है। प्रशासन के लिए आध्यात्मिकता के आध्यात्मिक विज्ञान तथा सामाजिक सुरक्षा को समुदायों को जन्म दिया है। इन समुदायों के धार में यह निर्णय लेना होता है कि उत्पादन बढ़ाने के लिए मजदूरों की संख्या बढ़ायी जाए या मशीनों को उपभोग्यता वस्तुओं को उत्पादन बढ़ाया जाए या पूँजीगत वस्तुओं को उत्पादन बढ़ाया जाए और अतः अर्थशास्त्र के अन्वयान के इसी समुदाय है जिनका निदान अर्थशास्त्र के आदर्श निर्धारक विज्ञान होने पर ही होता जा सकता है।

व्यवहारिक समुदायों के क्षेत्र -
v) अर्थशास्त्र में अर्थशास्त्र को समुदाय या समुदायों के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र बनने होते हैं। इसलिए अर्थशास्त्र का संबंध नीतिशास्त्र एवं आर्थिक विज्ञान से स्थापित हो जाता है। अर्थशास्त्र अपने निर्णयों का पहला नीतिशास्त्र को धारणा पर करेगा या जायेगा। और फिर अपना निर्णय देगा। इससे अर्थशास्त्र (Economics) के

निर्णय व्यावहारिक बन जाते हैं।
 (iii) व्यावहारिक अर्थशास्त्र का व्यावहारिक है कि
 यह तर्क "संतुलन" कि सिर्फ संतुलन Robbins
 है " ठीक बहती है।

ग्राह्यीजी ने भी अर्थशास्त्र को
 आर्थिक विज्ञान माना था। उनके अनुसार
 "वह अर्थशास्त्र जो नैतिक और भावनात्मक
 तत्वों को उपेक्षा करता है, मधुमक्खी
 के जैसे दूर के समान है जो जीवित
 होते हुए भी उसमें सचत माना स्वप्न
 जीवन की कमी है।"

["Economics which
 disregards moral & sentimental
 consideration is like bee-hives that-
 being life, still lacks the life of a
 living flesh".]

आर्थिक विज्ञान Prof. Pigou ने भी अर्थशास्त्र को
 माना है। उनके अनुसार
 "अर्थशास्त्र का महत्व तब तो बढ़े सुखदो
 व्यायाम होने में है और न ही अपने लिए
 सचाई स्थापित करने के साधन में परन्तु
 इसका महत्व नैतिकशास्त्र को दामि तथा
 व्यावहारिक का दास होने में निहित है।"

["Economic is chiefly valuable neither
 as an intellectual gymnastic nor as
 a means of winning truth for its
 own sake, but as a hand-
 maid of ethics & servant of practice"]